

मुद्रागीतानि रचयत ।

१. कुरु योगविद्याम्
भव पुष्टगात्रः।
२. उन्मेष बल लाभाय
करोतु धनुरासनम्।
३. सर्वव्याधिविनाशाय
आचर योगासनं सदा।
४. कुरु ——— ———
अपनय प्रमेहम्।
५. मनः शरीरदृढतायै
————— ——— ———
६. क्लमापनयनाय
————— ——— ———